

DPN 5440

Title : आदित्य हृदय ADITYA HRDAYA

Run. No. 6131

Cat. No.

Micro. No.

Subject Hyman स्तोत्र

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 24.5 x 11

Folios

2

Lines (in a page) 11

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

verses 1-31

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

आदित्यकृत

25

20

15

॥ अ० ६ ॥ स्वस्ति श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ ततो युद्धं पराजितं तमो विजयं याव्यर्त्त ॥ एवमं वागमो दृष्ट्वा युद्धं
 ॥ १ ॥ यत्तु यत्तिर्न ॥ १ ॥ देवैश्च स मागम्य युद्धं मयागतो गे ॥ उपगम्या वृषी प्रम मगस्यो भगवान्
 ॥ २ ॥ एत एव महाबाहो भृगु उष्टं सनातनं ॥ येन सर्वान्तीन् वसुसमो विजयिष्यति ॥ ३ ॥
 आदिप हृदयं प्रत्ये त्वं सुविनाहर्तुं ॥ जयावर्तं जयं त्वं प्रदुर्गं पार्श्वे दिव ॥ ४ ॥ सर्वं मे गेल
 मं गतं सर्वं पापं प्रणा हन विनाहो क प्रहमनं मा प्रवर्द्धं न प्रकर्म ॥ ५ ॥ एहिर्वर्तं स प्रवर्तं देवास्तु
 एतस्मिन् प्रजयस्व विवस्वर्तं भास्करे उवनेश्वरी ॥ ६ ॥ सर्वं देवास्तु को ह्येष तेजस्वि एहि भावन
 ॥ एव देवास्तु गणाः लोकान् पाति गभस्तिभिः ॥ ७ ॥ एव बुलाश्व विभुश्च दिवः कर्तुं प्रजापति
 ॥ महोदधे नदकालोः यमसो मो ह्यपां पति ॥ ८ ॥ विनये वसवसाध्या अश्विनो महतो मृतु
 वा सुर्वही प्रजापतिः स्रुतकर्ता प्रभाकर ॥ ९ ॥ आदिपलविनाहर्तुः त्वगः प्रसागभस्तिभाक् तुपण
 सपनो भास्वर्तो नादिवाक ॥ १० ॥ हृदिदधः स हस्मा विं स सवित्रं विमानं ॥ त्रिभिर्भिर्मन्त्रैः ॥ एम ॥
 भुः स्वदा मातं एड अं प्रान् ॥ ११ ॥ हिलेयमर्भो निहिलेयमो भास्करे वि ॥ अग्निमर्भोऽदिने पुनर्ह ॥ १ ॥

10

5

वशिष्टो नाहृत ॥ १२ ॥ व्योमनाथस्तमो मे दीः स्रुतजः सा म पातः ॥ घनदृष्टिः पां विमो वि
 श्वे बीथी सुवंक म ॥ १३ ॥ आन विमं एडली मृन्मू विरुल सर्वनायन ॥ कविर्विश्वो महा तेजाक
 सर्वमवोद्व ॥ १४ ॥ नक्षत्रं प्रहता एणाः प्रधियो विश्वभावनः ॥ तेजसा म वि तेजश्वी कादलाभ
 नमोस्तुते ॥ १५ ॥ नमः सुवीप निजये पश्चिमे निजयनमः ॥ ज्योतिर्गणां पनयदिनाधियन
 यनमः ॥ १६ ॥ जयावजयमंदाय हर्षस्वायनमोनमः ॥ नमोनमस्तु ह्रीं गौ आदिपावनमो
 नमः ॥ १७ ॥ नमः उपायवीत्यः सां गायनमोनमः नमः पप्र प्रवोधाय मार्त एडायन मोनमः ॥ १८ ॥
 प्रहृष्टगता कृते ह्ययः कृपायादित्यवर्धमे ॥ भास्वते सर्वं भक्षाय उपायवपुषे नमः ॥ १९ ॥ न
 मो ध्याय हतो ध्यायः सनु ध्याय मिनामने ॥ सनधु ध्याय देवाय ज्योतिर्वीपनयनमः ॥ २० ॥
 नमस्तु मां कल भायव ह्यविश्वकर्मणे ॥ नमस्तु मो मि वि ध्याय ह्ययलोकलाक्षिणे ॥ २१ ॥
 महायव वधे उर्तं नमेव नु जने पुनः ॥ पापयेव विवयेव वधयेव गभस्तिभिः ॥ २२ ॥ एव सु
 प्रेष्ठ जागर्ति उने यु पाति विदितः ॥ एव वेवा निहोत्रं व कलंश्चेवा निहोत्रिणां ॥ २३ ॥ वेदा

0

CM

5

10

20

25

30

35

40

45

॥ आ० ह॥ शक नवधैव कनू लो फल मेव च ॥ या निष्क न्या नि लो क्य सु सर्व एव वि प्र भू ॥ २४ ॥ एव मा
 ॥ २ ॥ पलु म द्रु सु का ना ले भु भय सु च ॥ की र्ण य न् उ ह यः क षिः ना व ली द नि ए च व ॥ २५ ॥ प्र ज य ले
 न मे का यो दे व दे वं ज ग त्प ति ॥ ए न नि गु ग ति नं ज प्रा उ द्रे सु वि ज यि व्य सि ॥ २६ ॥ अ हि मे न
 क्षे णे म हा वा हो ए व लं न र्ज ह व्य सि ॥ ए व भु क्त ना नो ऽ ग ल्यो ज ग म म य था ग मे ॥ २७ ॥
 ए न भु क्त वा म हा ने जा न व ह मे को ऽ भ व क्त दा ॥ धा ए वा मा स सु वी नो ए च वः प्र व ता मि वा
 न ॥ २८ ॥ आ दि न्य हृ द यं ज न्वा य ले षं म वा प्र वा न ॥ त्रि ए व म्भ उ वि भू वा ध उ ए दा य
 वि र्व वा न ॥ २९ ॥ ए व लं प्रे क्ष हृ द्या म्भ उ द्र य स सु पा ग म न् ॥ सर्व य ले न म हा ना व धे
 न ल्य धु नो ऽ भ व न् ॥ ३० ॥ अ थ ए वि व वा नि ए द्वा ए म्भ उ दि न म नाः प ल मं प्र ह व्य मा ल
 नि हि व ए य नि सं क्ष यं वि दि न्वा सु ग लो म म्भ ग नो व य ल्व ले नी ॥ ३१ ॥ ह न्वा र्धे ए म्भ य ले ॥ ए म्भ ॥
 वा ल्मी कि ये पु द्र का णि आ दि न्य हृ द य लो नै स मा न न् उ म्भ ॥ ह ति उ द्भ म्भ उ द्भ वा म म ह्ये सो ना द ॥ २ ॥